2023-24

राजकीय महाविद्यालय धामी जिला शिमला हिमाचल

राष्ट्रीय स्वयं सेवा योजना
सात दिवसीय
विशेष वार्षिक शिविर

(25-12-2023 से 31-12-2023)

रिपोर्ट

प्रथम दिवस

राष्ट्रीय स्वयं सेवा योजना के 2023-24 शैक्षणिक सत्र के सात दिवसीय विशेष वार्षिक शिविर का आरम्भ 25-12-2023 को महाविद्यालय परिसर में हुआ। शिविर के उद्घाटन सत्र से पहले स्वयं सेवियों ने कार्यक्रम अधिकारियों के मार्गदर्शन में एक बैठक आयोजित की, जिसमें सप्ताह भर में किए जाने वाले कार्यों की रूपरेखा तैयार की गई। इसमें तय किया गया कि प्रत्येक दिन की गतिविधियों को तीन सत्रों में निभाया जाएगा। प्रथम सत्र प्रार्थना, योग, ड्रिल आदि पर आधारित होगा; द्वितीय सत्र श्रम आधारित सामुदायिक सेवा के क्षेत्रीय कार्यों व जागृति अभियानों के लिए निर्धारित होगा, जिसमें महाविद्यालय परिसर की स्वच्छता, गमलों और पौधों के रखरखाव, एन एस एस वाटिका के सौंदर्यीकरण तथा गोद लिए गए प्राथमिक विद्यालय, घण्डल के परिसर के सौंदर्यीकरण के लिए समर्पित किया जाएगा। दोपहर भोजन के पश्चात तृतीय सत्र का आयोजन किया जाएगा जिसमें स्वयं सेवियों के बौद्धिक व सांस्कृतिक उन्नयन के लिए विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ/ स्त्रोत विद आमंत्रित किए जाएंगे। इस सभा में शिविर में शामिल विद्यार्थियों को छह वर्गों यथा बान, मोहरू, देवदार, बुरांश, चिलगोजा व भोजपत्र में विभाजित किया गया। प्रत्येक वर्ग को दैनिक आधार पर सांस्कृतिक गतिविधियों के संचालन, भोजन व्यवस्था तथा क्षेत्रीय कार्य सम्पन्न करने की जिम्मेदारी दी गयी। इस सभा में उद्घाटन सत्र , सांस्कृतिक संध्या तथा अंतिम दिवस के कार्यक्रमों को विधिवत रूप से सम्पन्न करने की योजना भी बनाई गई।

दोपहर 12 बजे उद्घाटन सत्र का आयोजन किया गया। डॉ. प्रवीण जरेट, एसोसिएट प्रोफेसर, संगीत शिविर के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का आरंभ किया। एन. एस. एस. इकाई सचिव सुश्री अंजलि शर्मा ने मुख्य अतिथि, कार्यक्रम अधिकारियों तथा स्वयं सेवियों का स्वागत किया। डॉ. जरेट ने अपने उद्बोधन में कहा कि सेवा मनुष्य जीवन का मूल्य है, जिसके माध्यम से हम समाज के जरूरतमंद लोगों का सहयोग कर मानवीयता को जिंदा रख सकते हैं। उन्होंने सामाजिक विषमता पर खेद व्यक्त करते हुए माँ जैसी संवेदना मनुष्य हृदय में होने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम अधिकारी श्री दिनेश शर्मा ने मुख्य अतिथि का औपचारिक धन्यवाद किया। वालंटियर्स ने इस अवसर पर एन. एस. एस. लक्ष्य गीत व देशभक्ति गीत से समा बांधा। भोजन के बाद प्रथम दिवस के अंतिम सत्र में डॉ. पी. एल. वर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र, राजकीय महाविद्यालय चौड़ा मैदान, शिमला, ने स्त्रोत विद के रूप में 'सतत विकास के लक्ष्य' विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने सामाजिक व पर्यावरणीय मुद्दों पर वालंटियर्स से सार्थक संवाद किया तथा उनकी आशंकाओं का निवारण भी किया। सुश्री अश्मिता व सुश्री विदुशा ने क्रमशः उद्घाटन सत्र व अंतिम सत्र का सफल मंच संचालन किया।

धामी कॉलेज में एनएसएस शिविर शुरू

शिमला। राजकीय महाविद्यालय धामी की एनएसएस इकाई का सोमवार
सात दिवसीय एनएसएस शिविर शुरू हो गया। इसमें कॉलेज के 60
स्वयंसेवी हिस्सा ले रहे हैं। शिविर का शुभारंभ कॉलेज के संगीत शिक्षक
डॉ. प्रवीण जरेट ने किया। उन्होंने दीप जलाकर शिविर का शुभारंभ किया
और इसके सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। उद्घाटन सत्र की
अध्यक्षता अंजली ने की। उन्होंने कहा कि सेवा मनुष्य जीवन का मूल्य है।
शिविर के पहले सत्र में राजकीय महाविद्यालय चौड़ा मैदान के सहायक
आचार्य डॉ. पीएल वर्मा ने कहा कि स्वयं सेवियों के साथ सामाजिक और
पर्यावरणीय विषयों पर सार्थक संवाद किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी
दिनेश शर्मा ने पर्यावरण को लेकर लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम
अधिकारी डॉ. गीता ने अतिथियों का धन्यवाद किया। अश्मिता पाल और
विदशा ने पहले और दूसरे सत्र का संचालन किया। ब्यूरो

द्वितीय दिवस

राष्ट्रीय स्वयं सेवा योजना के विशेष वार्षिक शिविर के दूसरे दिन 26-12-2023 को सुबह के सत्र का शुभारंभ प्रार्थना सभा के साथ किया गया। इस सत्र का संचालन 'बान' समूह ने किया। सुश्री विदुषी शर्मा ने 25-12-2023, प्रथम दिवस की गतिविधियों की रिपोर्ट पढ़ी। ततपश्चात सीनियर वालंटियर्स निशांत वर्मा, आर्यन, अंजलि, प्रियंका, हिमानी तथा अश्मिता द्वारा ड्रिल अभ्यास कराया गया।

दूसरे सत्र में श्रम आधारित फील्ड वर्क किया गया। 'चिलगोजा' और 'बुरांश' समहों को एन एस एस वाटिका के रख-रखाव का जिम्मा दिया गया। 'देवदार' व 'मोहरू' को महाविद्यालय के पार्श्व भाग में सफाई का काम दिया गया। 'बान' और 'भोजपत्र' समूहों को महाविद्यालय परिसर के सौंदर्यीकरण का कार्य नियत किया गया। सभी समूहों ने बेहतर सेवा-कार्य से अपना योग दिया।

तृतीय सत्र का आयोजन दोपहर भोजन के बाद लेक्चरर थिएटर 301 में किया गया। सुश्री अनुराधा ने इस सत्र का संचालन किया। इसमें मोक्ष फाउंडेशन रिहैबिलिटेशन सेन्टर, घलोग, धामी, जिला शिमला के प्रबंध निदेशक श्री चेतन श्याम ने 'ड्रग्स के दुष्प्रभाव व पुनर्वास' विषय पर संवेदनशील व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि नशा करने वाली संगति तथा स्थान से बचना चाहिए। किसी भी किस्म के विचलन, व्यसन से दूर रहते हुए अभिभावकों, शिक्षकों व बुजुर्गों की सलाह से निर्णय लेने चाहिए। नशा व्यक्ति, परिवार तथा समाज के लिए विनाश का काम करता है। कार्यक्रम अधिकारी श्री दिनेश शर्मा ने स्त्रोत विद उनके साथ आए अतिथियों तथा महाविद्यालय के आचार्य डॉ. राजीव शर्मा का धन्यवाद किया।

तृतीय दिवस

दिनांक 27–12–2023 को वार्षिक शिविर के तीसरे दिन की शुरुआत हर रोज़ की तरह प्रार्थना सभा से हुई। 'चिलगोजा' समूह ने इसका संचालन किया। हिमानी, रुचिका, अमन, भरत तथा पुष्पेंद्र ने प्रार्थना का गायन किया। गायत्री मंत्र, राष्ट्र गीत का गायन किया गया। अनुराधा ने गत दिवस की रिपोर्ट पढ़ी। विशाखा द्वारा प्रस्तुत किए गए विचार पर चर्चा की गई। ड्रिल अभ्यास के बाद 11 बजे इस प्रथम सत्र का अंत हुआ। इसके पश्चात दूसरे सत्र के लिए मोहरू, बुरांश, देवदार आदि तीन समूह प्राथमिक विद्यालय, घण्डल रवाना हुए। वहाँ पर विद्यालय परिसर की सफाई की गई। प्लास्टिक के रैपर, बोतलें, व कूड़ा - करकट एकत्रित किया गया, झाड़ियां काटी गई, स्कूल की छत की सफाई की गई तथा स्कूल के पीछे गिरे गए पत्थरों को तोड़ कर हटाया गया तथा मलबा निकाला गया। वालंटियर्स ने स्कूल के विद्यार्थियों के साथ अन्तःक्रिया की। स्कूल की अध्यापिका ने वालंटियर्स को जलपान भी कराया। इस प्रकार महाविद्यालय द्वारा अपनाए गए स्कूल के परिसर को स्वच्छ करने में वालंटियर्स ने अपना सहयोग दिया। 'चिलगोजा' व 'बाण' समूह ने एन एस एस वाटिका में पौधों की सिंचाई की तथा चुना लगाकर उसका सौंदर्यीकरण किया। भोजपत्र समूह ने कॉलेज बैकयार्ड में घास हटाई तथा चुना लगाकर सौंदर्यीकरण किया। दोपहर सवा एक बजे वालंटियर्स भोजन के लिए वापस लौट आए।

तृतीय सत्र पैनल डिस्कशन के लिए तय किया गया था। इस सत्र का संचालन मिस्टर निशांत वर्मा द्वारा किया गया। उन्होंने विशेषज्ञ अतिथियों का स्वागत किया तथा परिचर्चा के विषय 'परम्परा व पर्यावरण' को वालंटियर्स के सम्मुख रखा। परिचर्चा में महाविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर साची सूद ने बीज वक्ता के रूप में विषय का परिचय दिया तथा मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम अधिकारी श्री दिनेश शर्मा ने मॉडरेटर की भूमिका निभाई। वालंटियर्स ने जैविक खेती, देवताओं के अधीन रखे गए जंगलों, जीव-मनुष्य सम्बंधों, प्लास्टिक से फैलने वाले प्रदूषण, विकास के नाम पर पहाड़ पर होने वाले अनावश्यक कटान व जंगल के नुकसान पर अपनी बात रखी। डॉ. गोदावरी गर्ग ने परिचर्चा का निष्कर्ष वालंटियर्स के सामने रखा। इस अवसर पर पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गौरव शर्मा वालंटियर्स के उत्साहनवर्धन के लिए विशेष रूप से उपस्थित रहे।

चतुर्थ दिवस

दिनांक 28-12-2024 को शिविर के चतुर्थ दिवस का संचालन 'मोहरू' समूह द्वारा किया गया। प्रतिदिन की तरह प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया तथा ड्रिल का अभ्यास किया गया। ग्यारह बजे वालंटियर्स महाविद्यालय के पिछले भाग में झाड़ियों व घास को साफ करने के लिए दराट आदि लेकर एकत्र हुए। छः समूहों में विभक्त होकर यह काम किया गया। एक समूह को साथ लगती दीवार पर सफेदी करने के लिए तैनात किया गया। एक बजे तक वालंटियर्स ने अपना कार्य संपन्न कर दिया। दोपहर के भोजन के बाद दिन का तीसरा सत्र प्रारंभ हुआ। बौद्धिक विकास के लिए नियत इस सत्र में 'साइबर सुरक्षा' तथा 'कार्य स्थल पर यौन प्रताड़ना' विषयों पर दो व्याख्यान आयोजित किए गए। डॉ. चन्द्रेश्वरी मिन्हास, एसोसिएट प्रोफेसर, कानून, हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, शिमला स्रोत विद रहीं। उन्होंने दोनों विषयों से सम्बंधित कानूनों की जानकारी वालंटियर्स को प्रदान की तथा सार्थक संवाद द्वारा शंकाओं का निवारण भी किया। इस सत्र में केंद्रीय छात्र परिषद के पदाधिकारी व सदस्य तथा महाविद्यालय का शिक्षक व गैर-शिक्षक वर्ग भी उपस्थित रहा। सत्र की अध्यक्षता डॉ. प्रवीण जरेट, एसोसिएट प्रोफेसर, संगीत ने की। श्री दिनेश शर्मा, कार्यक्रम अधिकारी, ने स्वागत भाषण दिया तथा श्रीमती नमिता खागटा, संयोजक इंटरनल कंप्लेंट कमेटी, ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया।

पंचम दिवस

वार्षिक शिविर के पांचवे (29–12–2024) दिन का संचालन 'देवदार' समूह द्वारा किया गया। प्रतिदिन के लिए नीयत गतिविधियों के तहत प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। 'मोहरू' समूह की हिमानी ने गत दिवस की रिपोर्ट पढ़ी। उसके पश्चात वालंटियर्स ने ग्राम पंचायत घण्डल के आह्वान पर पंचायत कार्यालय व घण्डल चौक के आस-पास डॉ. गीता की अगुवाई में वालंटियर्स ने सफाई अभियान चलाया। इसमें बेतरतीब फैले कूड़े को इक्कट्ठा करके उसका समुचित निबटान किया गया। प्लास्टिक के रैपर्स, बोतलें आदि पर्यावरण के लिए हानिकारक कूड़े को विशेष कर एकत्र किया गया। इस अवसर पर पंचायत के प्रधान श्री हरिनन्द भी उपस्थित रहे। उन्होंने वालंटियर्स के कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

इसी दौरान विद्यार्थियों के एक और समूह ने महाविद्यालय एनएसएस द्वारा अपनाए गए गाँव 'महरावग' की यात्रा की तथा वहाँ नशा मुक्ति पर लोगों को जागृत करने के लिए अभियान चलाया। वालंटियर्स ने लोगों के साथ संवाद किया। नशे की स्थिति का जायजा लिया तथा सामाजिक स्थितियों पर उन्हें अवगत कराया कि किस तरह नशा हमारे युवाओं का जीवन खोखला कर रहा है। शिविर के एक सत्र में मोक्ष फाउंडेशन रिहैबिलिटेशन सेन्टर, घलोग, धामी, जिला शिमला के प्रबंध निदेशक, श्री चेतन श्याम, द्वारा बताई गई चिंताओं व सावधानियों को गाँव के लोगों तक पहुंचाया गया।

दिन के अंतिम सत्र में 'पादप विविधता व मानव स्वास्थ्य' पर महाविद्यालय के सह-आचार्य डॉ. अनिल ठाकुर ने व्याख्यान दिया। उन्होंने हिमाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पाए जानी वाली वनस्पतियों व उनके आरोग्यता में उपयोग पर महत्वपूर्ण जानकारी वालंटियर्स को प्रदान की। रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली जड़ी-बूटियों की पहचान तथा उपयोग के विषय में भी वालंटियर्स को जागृत किया। विभिन्न रोगों के उपचार के विषय में भी अवगत कराया। सत्र का संचालन मिस्टर भरत ने किया तथा मिस पल्लवी ने स्रोत विद डॉ. अनिल ठाकुर, सह-आचार्य प्रवीण जरेट तथा प्रोग्राम अधिकारियों का धन्यवाद किया।

षष्टम दिवस

छठे दिन (30–12–2024) को सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन के लिए नियत किया गया। प्राचार्य डॉ. जनेश कपूर ने बतौर मुख्य अतिथि सांस्कृतिक कार्यक्रम को सुशोभित किया। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। पूजा, आरती, ममता, प्रियंका, अंजली ने सरस्वती वन्दना की। राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई के अध्यक्ष श्री निशांत वर्मा ने मुख्य अतिथि तथा अन्य प्राध्यापकों का एन. एस. एस. कैप पहनाकर सम्मान किया; सचिव सुश्री अंजलि शर्मा ने औपचारिक स्वागत किया। स्वयम सेवी पूजा, प्रियंका, आरती, निशांत, आर्यन, तथा भरत ने लक्ष्य गीत प्रस्तुत किया। सुश्री रवीना ने कैंप रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा सुश्री विदुषा ने कैंप के अनुभव साझे किए। प्रियंका, दीपाली, रवीना, व अनुराधा ने पंजाबी गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया। निशांत वर्मा, अंजली शर्मा, प्रियंका, रुचिका, पल्लवी, उर्वशी, दिव्या, कृति, नेहा, अमन, आर्यन, भरत, उमेश, पुष्पेन्द्र तथा मनीष ने पहाड़ी लोकगीतों पर नाटी नृत्य किया। अपने उद्बोधन में प्राचार्य ने स्वयम सेवियों को उत्साहित व प्रतिबद्ध रहने का गुरु मन्त्र दिया। कार्यक्रम अधिकारी श्री दिनेश शर्मा ने स्वयम सेवियों को कैंप के बेहतर आयोजन के लिए बधाई दी तथा प्राचार्य व अन्य प्राध्यापकों का सहयोग व प्रेरणा के लिए धन्यवाद किया। सुश्री अश्मिता पाल ने कार्यक्रम का उम्दा संचालन किया।

सप्तम दिवस

वार्षिक शिविर के अंतिम दिन (31–12–2023) 'बुरांश' समूह के आयोजन में कलानी धार में काली माता मन्दिर तक हाईकिंग का आयोजन किया गया। पर्यावरण चेतना के लिए प्रकृति के साथ तादात्म्यता हाईकिंग का उद्देश्य रहा। कार्यक्रम अधिकारियों के नेतृत्व में सुबह 10.30 बजे महाविद्यालय परिसर से स्वयं सेवियों का दल चयनित स्थल के लिए अग्रसर हुआ। उन्हें स्थानीय वनस्पति की जानकारी प्रदान की गयी। घास्नियों व चरागाहों की वर्तमान स्थिति पर जानकारियों व विचारों का आदान– प्रदान किया गया। जल-संरक्षण के परम्परागत उपायों से अवगत कराया गया। पहाड़ियों पर जल संग्रहण के लिए बनाए गए तालाबों व कुफरों के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गयी। तीन घंटों की पैदल यात्रा के पश्चात् दल काली माता परिसर में पहुंचा। मन्दिर में दर्शन किए गए। दोपहर भोजन के बाद दल कैंप स्थल की ओर लौट आया। इस प्रकार वार्षिक शिविर का सफल समापन हुआ।

ME NOT BUT YOU

राष्ट्रीय सेवा योजना
NATIONAL SERVICE SCHEME

"उठे समाज के लिए उठें-उठें
जगें स्वराष्ट्र के लिए जगें-जगें
स्वयं सजे वसुन्धरा संवार दे।"